By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-5

Topic - Nation Building and its Problems

Class - XII, Part 'A' Unit - I

Subject - Political Science

Date - 13 July, 2020

By Rahul Kumar Jha

राष्ट्र निर्माण और उसकी समस्याएँ :-

कश्मीर की समस्या :- भारत में लगभग 562 रियासतें थी। 1947 के भारत स्वतंत्रता अधिनियम में यह प्रावधान था कि रियासत का राजा अपनी रियासत को भारत संघ में मिलाए या पाकिस्तान में मिलाए या स्वतंत्र बना रहे। कश्मीर के राजा हरिसिंह ने तीसरा विकल्प चुना। अतः उसने भारत में विलय का सुझाव नकार दिया। स्थिति का लाभ उठाते हुए पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। भारत सरकार वहाँ अपनी सेनाएँ नहीं भेज सकती थी क्योंकि अभी तक कश्मीर का भारत संघ में

2020/7/17 17:0

विलय नहीं हुआ था।

26 अक्टूबर, 1947 को राजा ने भारत के विलयपत्र पर हस्ताक्षर किए। तभी भारत की सेनाएँ वहाँ पहुँची जिन्होंने पाकिस्तान के आक्रमण-कारियों को पीछे खदेड़ दिया। प्रधानमंत्री नेहरू ने यह मामला संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् को भेजा। वहाँ युद्ध-विराम का निर्णय हुआ। लेकिन कश्मीर का लगभग एक-तिहाई भाग पाकिस्तान के अवैध कब्जे में चला गया जिसे उसने 'आजाद कश्मीर' का नाम दिया। सुरक्षा परिषद् के प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि जब सामान्य स्थिति बहाल हो जाए तो लोक निर्णय से इस समस्या का अंतिम समाधान किया जाए। इसी समय हमारा संविधान बन रहा था, अतः स्थिति की गंभीरता को समझते हुए जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का स्तर दिया गया।

युद्ध रुक गया, लेकिन पाकिस्तान का यही आग्रह बना रहा कि वहाँ लोक निर्णय होना चाहिए क्योंकि राजा ने दबाव में आकर विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। पाकिस्तान के आग्रहानुसार वह विलय अवैध है। दूसरी ओर भारत का यह आग्रह है कि अन्य सैकड़ों रियासतों की तरह यह विलय भी वैध है क्योंकि अपनी रियासत को भारत संघ में मिलाने का अधिकार केवल राजा के पास था। समय-समय पर सुरक्षा परिषद ने अपने मध्यस्थों को भेजा, जैसे ओवेन डिक्सन, गुन्नार जारिंग जिन्होंने पाकिस्तान के आग्रह का समर्थन किया।

इस बीच स्थिति में काफी परिवर्तन हो गया। अगस्त 1953 में शेख अब्दुल्लाह की गिरफ्तारी के बाद बख्शी गुलाम मुहम्मद ने रचनात्मक भूमिका निभाई। एक संविधान सभा का आयोजन किया गया जिसने कश्मीर का संविधान बनाया। इसकी प्रस्तावना में जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग कहा गया है।

(CHAPTER CONTINUES-)